

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Dr. Bhim Rao Ambedkar 131st Birth Anniversary celebrated at CUH

Newspaper: Amar Ujala

Date: 15-04-2022

डॉ. भीमराव आंबेडकर को भुलाया नहीं जा सकता : कुलपति

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में आंबेडकर जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर वीरवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत विश्वविद्यालय में स्थित बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर बाबा साहेब के जीवन, कार्य एवं सिद्धांतों पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। आधुनिक भारत के निर्माण में आंबेडकरवाद के महत्व विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। कहा कि उन्होंने नए भारत के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण कार्य विचार प्रस्तुत किए। जिनकी प्रासंगिकता आज भी बनी हुई है।



हकेंविवि में आंबेडकर को नमन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। संवाद

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिरसा से लोकसभा सदस्य सुनीता दुग्गल उपस्थित रहीं। विशेषज्ञ व्याख्यान में पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय के एडिशनल एडवोकेट जनरल बलदेव सिंह भदरान, सेवानिवृत्त आईईएस व भारत सरकार के पूर्व एडिशनल इकनोमिक एडवाइजर केसी पिप्पल व सामाजिक कार्यकर्ता व मिशन आंबेडकर के संस्थापक सूरज कुमार बुद्ध

ने संबोधित किया।

लोकसभा सदस्य सुनीता दुग्गल ने भीमराव आंबेडकर के योगदान को याद करते हुए उनके बताए दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने भीमराव आंबेडकर के द्वारा प्रस्तुत विचारों का उल्लेख करते हुए उनके महत्व और उनकी आज के समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता

बलदेव सिंह भदरान ने कहा कि आंबेडकरवाद का मुख्य उद्देश्य मौलिक अधिकारों को समझने और हमारे देश को असभ्य से सभ्य राष्ट्र में बदलने के लिए मार्गदर्शन करना है। इसी क्रम में अन्य वक्ता केसी पिप्पल व सूरज कुमार बुद्ध ने अपने संबोधन में डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों व उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों को बताया किस तरह से आधुनिक भारत के निर्माण में उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों का महत्व बना हुआ है।

विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. अंतर्देश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. प्रदीप, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. मनीष खगनवाल, डॉ. शाहजहां, इंजीनियर सन्नी तंवर, शम्मी मेहरा, डॉ. मुलाका मारुति, डॉ. रेनु सिंह, सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

आधुनिक भारत के निर्माण में डॉ. आंबेडकर के विचारों की भूमिका महत्त्वपूर्ण : प्रो. टंकेश्वर

भास्कर न्यूज़ | महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के अवसर पर गुरुवार को हर्केवि, महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत विश्वविद्यालय में स्थित बाबा साहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर बाबा साहेब के जीवन, कार्य एवं सिद्धांतों पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। विश्वविद्यालय में आंबेडकर जयंती के अवसर पर आधुनिक भारत के निर्माण में आंबेडकर के महत्त्व विषय पर केंद्रित ऑनलाइन व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने नए भारत के निर्माण हेतु महत्त्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। जिनकी प्रासंगिकता निरंतर बनी हुई है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिरसा से लोकसभा सदस्य सुनीता दुग्गल उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में प्रकोष्ठ के



बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

समन्वयक डॉ. अन्तर्देश कुमार, प्रो. हरीश कुमार, डॉ. एपी शर्मा, डॉ. प्रदीप, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. मनीष खगनवाल, डॉ. शाहजहां, शम्मी मेहरा, डॉ. मुलाका मारूति, डॉ. रेनु सिंह, सहित विश्वविद्यालय के विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari

Date: 15-04-2022

आधुनिक भारत के निर्माण में बाबा साहेब के विचारों की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रो. टंकेश्वर



बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

महेंद्रगढ़, 14 अप्रैल (परमजीत, मोहन): भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर गुरुवार को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत विश्वविद्यालय में स्थित बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इस अवसर पर बाबा साहेब के जीवन, कार्य एवं सिद्धांतों पर आधारित पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

विश्वविद्यालय में अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आधुनिक भारत के निर्माण में अम्बेडकरवाद के महत्व विषय पर केंद्रित ऑनलाइन व्याख्यान का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संबोधन में भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने नए भारत के निर्माण हेतु महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। जिनकी प्रासंगिकता निरंतर बनी हुई है। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में सिरसा से लोकसभा सदस्य सुनीता दुग्गल उपस्थित रहीं।

विशेषज्ञ व्याख्यान में पंजाब हरियाणा उच्च न्यायालय के एडिशनल एडवोकेट जनरल बलदेव सिंह भदरान, सेवानिवृत्त आई.ई.एस. व भारत सरकार के पूर्व एडिशनल इन्फोमिक एडवाइजर के.सी. पिप्पल व सामाजिक कार्यकर्ता व मिशन अम्बेडकर के संस्थापक सूरज कुमार बुद्ध ने संबोधित किया। विश्वविद्यालय में आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए संसद सदस्य सुनीता दुग्गल ने भीमराव अम्बेडकर के योगदान को याद करते हुए उनके द्वारा दिखाए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता बलदेव सिंह भदरान ने कहा कि अम्बेडकरवाद का मुख्य उद्देश्य हमारे मौलिक अधिकारों को समझने और हमारे देश को असभ्य से सभ्य राष्ट्र में बदलने के लिए मार्गदर्शन करना है। इसी क्रम में अन्य वक्ता के.सी. पिप्पल व सूरज कुमार बुद्ध ने अपने संबोधन में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचारों व उनके योगदान पर विस्तार से चर्चा की और प्रतिभागियों को बताया किस तरह से आधुनिक भारत के निर्माण में उनके द्वारा प्रस्तुत विचारों का महत्व बना हुआ है। कार्यक्रम का संचालन मौनाक्षी सिन्हा ने किया और अंत में शोध छात्र अक्षय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।